३. ग्रामदेवता

– डॉ. रामकुमार वर्मा

(पठनार्थ)

हे ग्रामदेवता नमस्कार !
सोने–चाँदी से नहीं किंतु
तुमने मिट्टी से किया प्यार
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

जन कोलाहल से दूर
कहीं एकाकी सिमटा–सा निवास
रवि –शशि का उतना नहीं
कि जितना प्राणों का होता प्रकाश ।

श्रमवैभव के बल पर करते
हो जड़ में चेतन का विकास
दानों–दानों से फूट रहे
सौ–सौ दानों के हरे हास ।

यह है न पसीने की धारा,
यह गंगा की है धवल धार ।
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

जो है गतिशील सभी ऋतु में
गर्मी, वर्षा हो या कि ठंड,
जग को देते हो पुरस्कार
देकर अपने को कठिन दंड ।

परिचय

जन्म : १५ सितंबर १९०५ सागर (म.प्र.)।
मृत्यु : १९९०
परिचय: डॉ. रामकुमार वर्मा आधुनिक हिंदी साहित्य के सुप्रसिद्ध कवि, एकांकी–नाटककार, लेखक और आलोचक हैं ।
प्रमुख कृतियाँ : वीर हमीर, चित्तौड़ की चिंता, निशीथ, चित्ररेखा आदि (काव्य संग्रह), रेशमी टाई, रूपरंग, चार ऐतिहासिक एकांकी आदि (एकांकी संग्रह) एकलव्य, उत्तरायण आदि (नाटक) ।

पद्य संबंधी

कविता : रस की अनुभूति कराने वाली, सुंदर अर्थ प्रकट करने वाली, हृदय की कोमल अनुभूतियों का साकार रूप कविता है ।

इस कविता में वर्मा जी ने कृषकों को ग्रामदेवता बताते हुए उनके परिश्रमी, त्यागी एवं परोपकारी किंतु कठिन जीवन को रेखांकित किया है ।

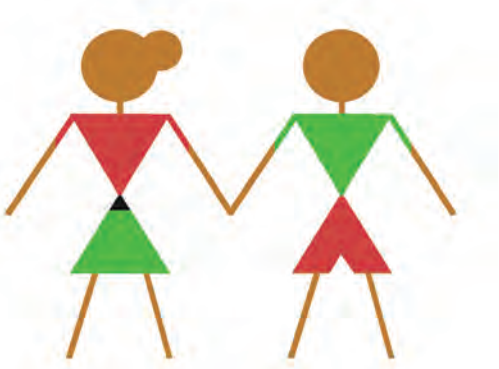

झोंपड़ी झुकाकर तुम अपनी
ऊँचे करते हो राजद्वार ।
हे ग्रामदेवता नमस्कार !× × × ×

तुम जन-गन-मन अधिनायक हो,
तुम हँसो कि फूले-फले देश,
आओ, सिंहासन पर बैठो
यह राज्य तुम्हारा है अशेष ।

उर्वरा भूमि के नए खेत
के नए धान्य से सजे वेश,
तुम भू पर रह कर भूमि भार
धारण करते हो मनुजशेष ।

अपनी कविता से आज तुम्हारी
विमल आरती लूँ उतार
हे ग्रामदेवता नमस्कार !

शब्द संसार

हास (पुं.) = हँसी
धवल (वि.) = शुभ्र
अशेष (वि.) = बाकी न हो
उर्वरा (वि.) = उपजाऊ
मनुज (पु.सं.) = मानव
विमल (वि.) = धवल

मुहावरा

आरती उतारना = आदर करना/स्वागत करना

कल्पना पल्लवन

'सबकी प्यारी, सबसे न्यारी मेरे देश की धरती' इस पर अपने विचार लिखिए ।

श्रवणीय

ग्रामीण जीवन पर आधारित विविध भाषाओं के लोकगीत सुनिए और सुनाइए ।

पठनीय

कविवर निराला जी की 'वह तोड़ती पत्थर' कविता पढ़िए तथा उसका भाव स्पष्ट कीजिए ।

संभाषणीय

'प्राकृतिक सौंदर्य का सच्चा आनंद आँचलिक (ग्रामीण) क्षेत्र में ही मिलता है', चर्चा कीजिए ।

लेखनीय

किसी ऐतिहासिक स्थल की सुरक्षा हेतु आपके द्वारा किए जाने वाले प्रयत्नों के बारे में लिखिए ।

आसपास

'किसी कृषक से प्रत्यक्ष वार्तालाप करते हुए उसका महत्त्व बताइए :-

पाठ से आगे

'ऑरगैनिक' (सेंद्रिय) खेती की जानकारी प्राप्त कीजिए और अपनी कक्षा में सुनाइए ।

रचना बोध

.....
.....
.....